सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 07 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 183, पृष्ठः 8+4

टीम इंडिया ने रचा इतिहास बर्मिंघम में जीत पहला टेस्ट

» Pg 12

इनसाइड शिकायत आते ही चट्टे पर पड़ा छापा, संचालक पर रिपोर्ट... » Pg03

यूपी में स्कूलों के मर्जर के खिलाफ याचिका खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने योगी सरकार के फैसले को सही ठहराया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सीतापुर के 51 बच्चों ने स्कूलों को मर्ज किए जाने के खिलाफ याचका दायर की थी। यूपी में 5000 स्कूलों को मर्ज किया जाना है। जिन स्कूलों में कम बच्चे हैं, उन्हें पास के दूसरे स्कूल में शिफ्ट होना होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उत्तर प्रदेश में 5000 स्कूलों के मर्जर पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। अदालत ने यूपी सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए 51 बच्चों की याचिका खारिज कर दी। सीतापुर के बच्चों की तरफसे दायर की गई याचिका में स्कूलों के मर्जर पर रोक लगाने की मांग की गई थी, लेकिन अदालत ने ऐसा करने से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने योगी सरकार के फैसले को सही ठहराया।

इसके बाद राज्य के 5000 स्कूलों के मर्जर का रास्ता साफ हो गया। उत्तर

» 16 जून को को सरकार की तरफ से कम बच्चों वाले स्कूलों को मर्ज करने का आदेश जारी हुआ था

» अदालत ने सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए 51 बच्चों की याचिका खारिज कर दी

प्रदेश में राज्य सरकार ने 5000 ऐसे स्कूलों की पहचान की है, जहां बच्चों की संख्या बेहद कम है। इन स्कूलों को दूसरे स्कूल में मर्ज कर दिया जाएगा। वहीं, पुराने स्कूल को बंद कर दिया जाएगा। जिस स्कूल में कम बच्चे पढ़ते हैं, उस स्कूल के बच्चों का दूसरे स्कूल में एडमिशन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 16 जून को एक आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जिन प्राथमिक स्कूलों में कम बच्चे पढ़ते हैं। उन्हें पास के उच्च प्राथमिक स्कूल में समायोजित कर दिया जाएगा। सरकार के इस फैसले का विपक्ष ने विरोध किया। सीतापुर और पीलीभीत में इस फैसले के खिलाफ याचिका भी दायर की गई, लेकिन अदालत ने इस फैसले को सही ठहराया है।

क्या कह रहे विरोध करने वाले लोग?

यूपी में स्कूल मर्जर के खिलाफ याचिका दायर करने वाले लोगों का कहना है कि सरकार यह आदेश बच्चों के शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच भी प्रभावित होगी। याचिकाकर्ता का कहना था कि इससे छोटे बच्चों के स्कूल उनके घर से दूर हो जाएंगे और उन्हें स्कूल आने-जाने में परेशानी होगी। याचिका पर जोर दिया गया था कि इन स्कूलों का मर्जर 6-14 साल के बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। वहीं, सरकार का कहना था कि स्कूलों का मर्जर संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए किया जा रहा है। कोर्ट ने 4 जुलाई को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था और सोमवार को फैसला सुनाया।

हादसा 'मेरी कार में दूल्हा बनकर जाएगा तू...', रवि ने सूरज से कही थी ये बात

दूल्हे समेत आठ की मौत, दो घायल, पत्थर सी बन गई मां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

संभल। संभल के जुनावई के गांव हरगोविंदपुर में रविवार को भी सन्नाटा सा दिखाई दिया। जो लोग पेड़ की छांव या घर के आंगन में बैठे दिखाई दिए। या तो वह मायूस थे या हादसे को लेकर चर्चा कर रहे थे। जिसमें दूल्हे समेत आठ लोगों की हादसे में जान गई है वह सभी पासी समाज से आते हैं।

हर किसी की जुबान पर सवाल है कि हादसा हुआ तो हुआ कैसे। कितनी स्पीड थी जो कार के भी परखच्चे उड़ गए। सूरज की मां संतोषी की हालत खराब है। वह पत्थर जैसी बन गई हैं।

पिता की आंखों में आंसुओं का समुंदर : वहीं पिता सुखराम की आंखें बेटे की याद में हर समय आंसुओं से भरी डबडबा रही हैं। छोटा भाई आकाश खामोश है। संतोषी से जब सूरज को लेकर बात की तो वह रोने लगीं। उन्होंने बताया कि बरात रवाना होने से पहले बेटे से कहा था कि ससुरालियों से आदर के साथ मिलना। दुल्हन की विदाई करके जल्दी आना। बताया कि बराती तो पहले ही चले गए थे। सूरज की गाड़ी कुछ देर से निकली थी। घर पर रस्म अदायगी के चलते देर हो गई थी। बताया कि बेटे के दूल्हा बनकर जाने की खुशी चेहरे से कम नहीं हुई थी कि हादसे की खबर मिल गई। यह कहते ही वह चीख-चीख कर रोने लगीं। पिता सुखराम आंसू भरी आंखों के साथ अपने दिल पर हाथ रखकर बैठे रहे।

सूरज और रवि बचपन के दोस्त थे

सूरज और रवि एक गांव के होने के नाते बचपन के दोस्त भी थे। रवि ने अपनी मां प्रेमवती के नाम तीन महीने पहले जब कार खरीदी थी तो सूरज को फोन कर जानकारी दी थी। कहा था कि मेरी कार में ही दूल्हा बनकर दुल्हन के घर जाएगा। यह वादा तीन महीने पहले फोन पर हुआ था। रवि की मां प्रेमवती ने बताया कि सूरज की शादी को लेकर उनका बेटा काफी खुश था। चार दिन से सूरज के साथ ही घूम रहा था।

लुटेरों ने की पुलिस पर फायरिंग, जवाब में दोनों के पैरों में लगी गोली

» तड़के 3 बजे बर्रा में हुई मुठभेड़, पुलिस पर दो बार की गई फायरिंग

» घायल लुटेरों ने खोला लूट के रीसेल नेटवर्क का राज, कई ज्वैलर्स जांच के घेरे में

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के लगभग तीन बजे दो शातिर लुटेरों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर बाइक सवार संदिग्धों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैरों में लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पकड़े गए लुटेरों की पहचान फतेहपुर निवासी धर्मवीर उर्फ राज और ध्रुव उर्फ प्रहलाद के रूप में हुई है, जिन पर पहले से एक दर्जन से अधिक लूट, छिनैती और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। दोनों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी हो चुकी है।

डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी के मुताबिक पिछले कुछ समय में दोनों ने नौबस्ता, गुजैनी, बर्रा, गोविंद नगर और चकेरी समेत कई क्षेत्रों में लूटपाट की वारदातों को अंजाम दिया। एक हफ्ता पहले बर्रा में एडवोकेट दयाशंकर साहू की पत्नी स्वीटी साहू से चेन लूट की घटना में भी इन्हीं का हाथ था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश की जा रही थी, जो सोमवार को मुठभेड़ के रूप में पूरी हुई।

लूट के माल की खरीद-फरोख्त में जुटा नेटवर्क बेनकाब

पकड़े गए लुटेरों ने पुलिस पूछताछ में एक संगठित नेटवर्क की जानकारी दी, जिसमें लूट का सोना रीसेल करने वाले ज्वैलर्स और चोरी के मोबाइल खरीदने वाले दुकानदार शामिल हैं। आरोपियों ने आधा दर्जन से अधिक सुनारों के नाम उजागर किए हैं, जो लूट का माल खरीदते-बेचते हैं।

डीसीपी साउथ ने बताया कि पुलिस इस नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। संबंधित दुकानदारों की भूमिका की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने इस मामले में विस्तृत रणनीति तैयार कर आगे की छापेमारी और गिरफ्तारी की तैयारी शुरू कर दी है।

अमरूद तोड़ने से रोका तो बुजुर्ग को पीटकर किया घायल

» गंगा कटरी के बगीचे में घुसकर पिता-पुत्रों ने किया हमला

» घायल जिला अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने शुरू की जांच

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। महराजपुर थाना क्षेत्र के मदारपुर गांव में अमरूद तोड़ने का विरोध करना एक बुजुर्ग को भारी पड़ गया। आरोप है कि पड़ोसी गांव करनखेड़ा के तीन लोगों ने लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को पहले सरसौल सीएचसी और फिर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

रविवार की शाम सियाराम निषाद अपने बगीचे में मौजूद थे। तभी करनखेड़ा निवासी अखिलेश और हरिशंकर जानवर चराते हुए उनके अमरूद के बाग में घुस आए और फल तोड़ने लगे। विरोध करने पर दोनों ने अपने पिता बाबूराम को बुला लिया। तीनों ने मिलकर सियाराम को गालियां दीं और लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया।पीटाई के बाद सियाराम के चीखने पर ग्रामीणों ने दौड़ लगाई, लेकिन हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पीआरवी मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया। थाना महराजपुर के इंस्पेक्टर संजय कुमार पांडे के अनुसार, पीड़ित की तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

कांस्टेबल की नाबालिग बेटी से अश्लील हरकत, मकान मालिक का बेटा गिरफ्तार

» किदवई नगर में 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़, मां की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र में कांस्टेबल की 12 वर्षीय बेटी से अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मकान मालिक के बेटे विपिन सोनकर (उम्र 40 वर्ष) के खिलाफ पाक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पीड़िता की मां ने बताया कि वह जूही बारादेवी इलाके में मकान मालिक रामदयाल सोनकर के घर में किराए पर रहती हैं। भोर में करीब 4:30 बजे उनकी 12 साल की बेटी चीखकर उठी। जब उन्होंने देखा तो विपिन सोनकर कूलर के पास के दरवाजे से कमरे में घुस आया था और बेटी के साथ अश्लीलता कर रहा था।

बेटी के इशारे पर उन्होंने चारपाई के नीचे देखा तो विपिन छिपा हुआ मिला। बाहर खींचने की कोशिश पर आरोपी ने उन्हें धक्का दिया, गाली-गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। जाते वक्त धमकी दी कि किसी को बताया तो जान से मार देगा। इसके बाद वह छत से कूदकर फरार हो गया।घटना की सूचना पर कांस्टेबल पति ने थानेदार से बात की। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है।इधर आरोपी पक्ष ने किराएदारी के विवाद को लेकर साजिश का आरोप लगाया है। आरोपी के पिता ने दावा किया कि मकान खाली कराने को लेकर झगड़ा था और इसी कारण फर्जी केस में फंसाया गया है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी चल रही है।

शिविर में शिकायत आते ही चट्टे पर पड़ा छापा, संचालक पर रिपोर्ट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नवाबगंज स्थित नगर निगम स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को लगाए गए अमर उजाला के जनता ही जनार्दन शिविर में महापौर के समक्ष सर्वाधिक शिकायतें गृहकर की आईं। शिकायत आने पर महापौर ने नवाबगंज गुलियाना स्थित चट्टे पर छापा मारा तो वहां चोरी से 11 ई-रिक्शे चार्ज होते मिले। महापौर के निर्देश पर चट्टा संचालक मो. आकिब के खिलाफ केस्को की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है।

वार्ड-43 (नवाबगंज) स्थित नगर निगम स्वास्थ्य केंद्र में शिविर लगते ही शिकायतकर्ताओं का तांता लग गया। 95 फीसदी से ज्यादा शिकायतें गृहकर संबंधी आईं। भवन स्वामियों ने नगर निगम पर गृहकर बढ़ाकर भेजने का आरोप लगाया इस पर महापौर ने राजस्व निरीक्षक स्वाति सिंह से नाराजगी जताई। महापौर के साथ नगर निगम मार्ग प्रकाश विभाग के मुख्य अभियंता आरके पाल, जलकल विभाग जोन छह के अवर अभियंता सुशील कुमार मौर्या, अवर अभियंता भोलेशंकर पाल, नगर निगम जोन छह अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता अनिल यादव, मार्ग प्रकाश विभाग के अवर अभियंता अमन कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक चेतन कुमार सिंह, राहुल त्रिवेदी आदि ने लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। नवाबगंज गुलियाना निवासी रीता वर्मा ने नाले के ऊपर अवैध रूप से मकान बनने और इसकी वजह से नाले की सफाई न होने से जलभराव, मोहल्ले में अवैध रूप से संचालित चट्टे का गोबर नाले में बहाने की शिकायत की। इसी मोहल्ले की विजय लक्ष्मी ने उसके घर के सामने कूड़ा फेंके जाने, गंदगी की शिकायत की।

इस पर महापौर क्षेत्रीय पार्षद राजकिशोर, अधिकारियों और क्षेत्रवासियों के साथ डीपीएस इंटर कॉलेज तिराहे पर स्थित अस्थायी कूड़ा अड्डा पहुंची और कूड़ा उठवाया। अस्थायी कूड़ाघर साफ कराते समय लोगों ने वहां कंटेनर रखवाने का आग्रह किया।

नाली में इंटरलॉकिंग टाइल्स भरी देख सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को आड़े हाथों लिया। टाइल्स हटते ही पानी निकलने लगा। इसके बाद महापौर ने नवाबगंज गुलियाना स्थित आजम के चट्टे पर छापा मारा। वहां गंदगी के बीच 12 मवेशी बंधे थे।चट्टे पर दोनों तरफ दीवारों में लटक रहे बिजली के तारों से 11 ई-रिक्शे भी चार्ज हो रहे थे। मोहल्ले के लोगों ने चट्टे में अवैध रूप से दिन-रात ई-रिक्शे चार्ज होने व हादसा होने की आशंका व्यक्त की। इस पर महापौर ने पार्षद से अवैध ई-रिक्शा सेंटर खत्म कराने के लिए केस्को को सूचित करने के लिए कहा।

शिविर में गृहकर की शिकायतें सबसे ज्यादा आईं। इन शिकायतों के लिए आठ जुलाई को दोबारा नगर निगम स्वास्थ्य केंद्र में शिविर लगेगा। जोनल अधिकारी रहेंगे। वह लोगों की समस्याएं सुनेंगी, उनका निवारण कराया जाएगा।- प्रमिला पांडेय, महापौर

सेंट्रल स्टेशन पर जलभराव और अराजकता से यात्री बेहाल

» ट्रेनों तक पहुंचना हुआ मुश्किल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बारिश के बाद कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन का मुख्य द्वार एक बार फिर जलभराव और अव्यवस्था का शिकार हो गया। सड़क पर भरे पानी और कीचड़ के बीच यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालात इतने बदतर हो गए कि कई यात्रियों की ट्रेनें छूट गईं।

मुख्य द्वार के बाहर अवैध रूप से खड़े ऑटो, टैम्पो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से स्थिति और बिगड़ गई। सवारियों को लूटने की होड़, अव्यवस्थित पार्किंग और बेहिसाब धक्का-मुक्की से बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे सबसे ज्यादा परेशान दिखे।

स्थानीय नागरिकों और यात्रियों का आरोप है कि हर साल मानसून में यही स्थिति बनती है,

लेकिन नगर निगम और रेलवे प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। न जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही अराजक ऑटो चालकों पर लगाम लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है।

यात्रियों ने मांग की है कि स्टेशन के आसपास जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए और अवैध वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि देश के प्रमुख स्टेशनों में शुमार कानपुर सेंट्रल की साख बरकरार रह सके और आम यात्रियों को राहत मिले।

बिल्हौर नगरपालिका सीमा विस्तार की माँग पर सीएम योगी से मिले पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी

नगर पालिका के सीमा विस्तार और डिग्री कॉलेज की मांग उठाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर नगरपालिका से भाजपा के टिकट पर चेयरमैन पद के प्रत्याशी रह चुके वरिष्ठ भाजपा नेता कौशल अवस्थी ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाक़ात की। इस दौरान उनके साथ भाजपा के इंदु शुक्ला और व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री मनोज गुप्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के समक्ष बिल्हौर नगर से जुड़ी विकास संबंधी प्रमुख माँगों को मजबूती से रखा। बातचीत के दौरान सबसे प्रमुख विषय था बिल्हौर नगर पालिका की सीमा का विस्तार। जो कि वर्षों से कुछ स्थानीय लोगों की माँग रही है। नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिल्हौर का दायरा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सीमित नगर क्षेत्र और संसाधनों के कारण मूलभूत सुविधाएं और योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने बिल्हौर में राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना की माँग को भी दोहराया।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आज भी उच्च शिक्षा के लिए कानपुर या अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक दिक्कतें भी आती हैं। डिग्री कॉलेज की स्थापना से न केवल शिक्षा का स्तर बेहतर होगा बल्कि स्थानीय युवाओं को नया अवसर भी मिलेगा। नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार बिल्हौर के चहुमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि सभी विषयों पर प्राथमिकता के साथ विचार किया जाएगा और जल्द ही वे स्वयं बिल्हौर का दौरा भी करेंगे ताकि जमीनी हकीकत का आकलन किया जा सके। भाजपा नेताओं की इस सक्रियता को बिल्हौर में तेजी से बढ़ती जनभावनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावी माहौल में यह मुलाक़ात भाजपा के लिए एक सकारात्मक संकेत के तौर पर उभर सकती है।

नेहरू पार्क में फव्वारा तोड़ा गया, नाले का रूट बदला

वार्ड 13 के सभासद अशोक तिवारी ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। नेहरू पार्क में बने फव्वारे को तोड़े जाने और नाले के बदले हुए रूट को लेकर नगर पालिका परिषद एक बार फिर विवादों में घिर गई है। वार्ड नंबर 13 के सभासद अशोक तिवारी ने इस मामले को सोशल मीडिया पर उठाते हुए नगर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।अशोक तिवारी का कहना है कि पूर्व चेयरमैन निर्भय सिंह द्वारा जनता के पैसे से बनवाया गया फव्वारा वर्षों से पार्क की शोभा बढ़ा रहा था, फिर भी उसे कुछ माह पहले अचानक तोड़ दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि इसे आखिर किसके निर्देश पर हटाया गया और क्यों..? साथ ही नेहरू पार्क से कटियार मेडिकल स्टोर तक प्रस्तावित नाले के रूट में बदलाव को भी उन्होंने बेवजह बताया। श्री तिवारी के अनुसार, जहाँ नाला मोड़ा गया है वहाँ पहले से ही राम सागर कपड़ा वालों की दुकान के नीचे से एक पुराना नाला बह रहा है, जो ककवन रोड से होते हुए सीधे मुख्य नाले से जुड़ता है।सभासद का यह भी कहना है कि नाले के नए रूट को लेकर कोई सार्वजनिक सूचना, टेंडर या प्रस्ताव पारित नहीं किया गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि यह जनहित में नहीं, बल्कि निजी स्वार्थ के चलते किया गया काम है और इसमें जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी हो रही है। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका प्रशासन इन सवालों का क्या जवाब देता है।

माता आदिशक्ति की महाआरती भव्य रूप से संपन्न

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन व पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट द्वारा माता आदिशक्ति की दिव्य महाआरती नगर के बरौली रोड स्थित शनिधाम पार्टी लॉन में भव्य रूप से आयोजित की गई।कार्यक्रम में भावगीत, मंत्रोच्चार, गुरू चालीसा, दुर्गा चालीसा एवं समर्पण स्तुति से वातावरण भक्तिमय रहा। समापन अवसर पर चंद्रेश सिंह, अनूप बाजपेई, शैलेश पांडे व प्रयाग नारायण शुक्ला ने भक्तों को संबोधित किया। संगठन के तहसील अध्यक्ष डॉ. संजय त्रिपाठी ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य धर्म, राष्ट्र व मानवता की सेवा है। अंत में भक्तों को शक्ति जल व प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में वीरेंद्र मिश्र, श्रवण कुमार, अमोल सिंह, संजीव कटियार, राकेश सिंह, नीरज मिश्रा सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वराज इंडिया
www.www.swarajindianews.com.com
वैचारिक मंच
05
कानपुर,सोमवार 07 जुलाई , 2025

सम्पादकीय

छोटे विवादों में जान लेने का फितूर

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है?हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। सूचना माध्यमों ने आम लोगों की संवेदनाओं को आहत करने का जो मुनाफे का जमकर कारोबार किया क्या वो हमें अब संवेदनहीन बना रहा है? देश के राजनीतिक विमर्श में आक्रामकता व संवेदनाओं से खिलवाड़ का जो निर्मम खेल दशकों से खेला जाता रहा है क्या नई पीढ़ी ने उसका अनुकरण शुरू कर दिया?

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रमोद भार्गव

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया।

साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है।धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलत: जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए।दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्राय: विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते।

दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे।प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है।

गर्म होती दुनिया में खतरा बनता फंगस

पर्यावरण संतुलन

डॉ. मधुसूदन शर्मा

फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं।ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया में नए रोगजनक उभर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने एस्परजिलस नामक फंगस के बढ़ते प्रसार के बारे में चिंता जताई है। इस फंगस के फैलने में जलवायु परिवर्तन और गर्म तापमान की मदद भी शामिल है।

इस प्रकार की फफूंद लोगों, पौधों और जानवरों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और कुछ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है।

एक नए अध्ययन में ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने दुनिया में फंगस के विस्तार का मॉडल बनाकर दिखाया है कि फंगस की तीन प्रजातियां, एस्परजिलस फ्यूमिगेटस, एस्परजिलस फ्लेवस और एस्परजिलस नाइजर अगले 70-80 वर्षों में उत्तर की ओर फैलेंगी। शोधकर्ताओं ने फंगस के मौजूदा आवासों और वार्मिंग की भविष्यवाणी करने वाले जलवायु मॉडल का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है।ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक नॉर्मन वैन रिजन का कहना है कि आर्द्रता और चरम मौसम की घटनाओं जैसे पर्यावरणीय कारकों में परिवर्तन, आवासों को बदल देंगे और फंगस के अनुकूलन और प्रसार को बढ़ावा देंगे। वायरस और दूसरे रोगजनक परजीवियों की तुलना में फंगस पर अपेक्षाकृत कम शोध किया गया है, लेकिन ताजा अध्ययन दिखाते हैं कि भविष्य में फंगस रोगजनकों का दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।गंभीर जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य के तहत, यूरोप में एस्परजिलस फ्यूमिगेटस का प्रसार 15 वर्षों में 77.5 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिससे 90 लाख और लोगों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। एस्परजिलस फ्लेवस जो गर्म क्षेत्रों को तरजीह देता है, यूरोप में 16 प्रतिशत तक प्रसारित हो सकता है, जिससे अतिरिक्त 10 लाख लोग जोखिम में पड़ सकते हैं। शोधकर्ता नए क्षेत्रों में फैलने वाले संक्रमण से चिंतित हैं।महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनने में सक्षम यह फंगस भी दुनिया के गर्म होने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में फैल रही है, और अन्य प्रजातियों के भी इसका अनुसरण करने की संभावना है।इन फंगस प्रजातियों का एक दूसरा पहलू भी है। इस बीच, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खेती में नए फफूंदनाशक रसायनों के व्यापक उपयोग से मनुष्यों और जानवरों में फंगल संक्रमण के उपचारों के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ सकता है।एक नए अध्ययन में कृषि में उपयोग किए जाने वाले फफूंदनाशक को मनुष्यों और जानवरों दोनों में फफूंद रोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध में वृद्धि से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. जॉर्ज थॉम्पसन और डॉ.एंजेल देसाई ने चेतावनी दी है कि हानिकारक फफूंद को मारने के लिए विकसित किए गए नए कृषि कीटनाशक लोगों और जानवरों में खतरनाक फंगल संक्रमण का इलाज करना कठिन बना सकते हैं।फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं। फफूंद और बैक्टीरिया जैसे रोगजनकों से लड़ने के लिए रासायनिक एजेंटों के विकास ।

बिल्हौर में ताजियों का जुलूस, ग़म और अकीदत से डूबा इलाक़ा, गूंजा या हुसैन

ज़मीन पर क़दम चलते रहे,और दिल कर्बला से गुज़रते रहे

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। मोहर्रम के मौके पर रविवार को बिल्हौर कस्बे और आसपास के गांवों की फ़िज़ा ग़म,अकीदत और मातम से भर उठी। इमाम हुसैन की याद में ताज़ियों के जुलूस निकले तो गलियों-कूचों में या हुसैन की सदाएं गूंज उठीं। चौबेपुर,ककवन, बिल्हौर मकनपुर में कई इलाकों से ताज़ियों, अलम और जुलजनाह का जुलूस उठा।

अकीदतमंदों ने अश्कों के साथ इमाम हुसैन और उनके कारवां की शहादत को याद किया। मातमी धुनों, नौहों और सीनाजनी से माहौल कर्बला के मंजर में तब्दील हो गया। छोटे बच्चे अलम उठाए चल रहे थे और युवा मातमी नारों से आसमान को गूंजा रहे थे। हर गली, हर मोड़ पर अश्कों से भीगा मंजर था, मानो कर्बला की याद खुद चलती फिरती तस्वीर बन गई हो। सड़क किनारे जगह-जगह लंगर और शर्बत की सबीलें लगाई गईं। राहगीरों को तस्ली से बैठाकर खाना खिलाया गया, जिससे यह पूरा आयोजन इंसानियत और भाईचारे की मिसाल बन गया।

मकनपुर में जुलूस ने खींचा ध्यान

मकनपुर में भी भारी संख्या में अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया। ग़मगीन माहौल में इमाम हुसैन और उनके साथियों को श्रद्धा और अकीदत से याद किया गया। मातमी धुनें और नौहे माहौल को भावुक बना रहे थे।ज्ञात रहे कि सन 60 हिजरी में इमाम हुसैन जालिम बादशाह यजीद की कट्टरपंथिता और जुल्म के खिलाफ मदीने से क़र्बला के लिए निकले थे उनका मानना था कि इस्लाम अमन और भाईचारे का मजहब बना रहे कर्बला में यजीद के हुक्म पर इमाम हुसैन और उनके परिवार को घेर लिया गया और 10 मुहर्रम को यजीदी फौज ने इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों को बेदर्दी से कत्ल कर डाला लेकिन ये कुर्बानी यजीद और उसका मिजाज रखने वालों को आज तक परेशान करती है इस बलिदान से इमाम हुसैन अमर हो गए और यजीद बुराई का प्रतीक बन गया

सुरक्षा व्यवस्था रही सख्त

प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए। संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात रहा। बिल्हौर एसडीएम और एसीपी ने खुद मौके पर पहुंचकर सुरक्षा का जायज़ा लिया और रूट पर लगातार निगरानी रखी गई। कहीं कोई अव्यवस्था नहीं हुई।खुफ़िया विभाग के इंस्पेक्टर एके सिंह भी जुलुस में खुराफ़ातियों पर नज़र रखे रहे।

गोल्डन बाबा के नेतृत्व में डीएम ऑफिस पर संतों का अनशन, गैंगस्टर की मांग

प्रदीप तिवारी पर सीएम योगी और अफसरों के अपमान का आरोप, गैंगस्टर एक्ट लगाने की मांग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गूगल गोल्डन बाबा उर्फ मनोजानंद महाराज के नेतृत्व में संत समाज के दर्जनों लोग जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन और अनशन पर बैठ गए हैं। बाबा ने आरोप लगाया है कि तिवारीपुर बसंत गांव के रहने वाले प्रदीप तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कानपुर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक व अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, जिससे संत समाज और पूरे प्रदेश की गरिमा को ठेस पहुंची है।गोल्डन बाबा का कहना है कि मुख्यमंत्री को वह एक संत के रूप में भी पूजते हैं, ऐसे में उन पर टिप्पणी केवल राजनीतिक नहीं, आध्यात्मिक अपमान भी है। बाबा ने पहले ही 3 जुलाई को एक शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को सौंपा था, जिसमें प्रदीप तिवारी पर गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज करने की मांग की गई थी। अब 7 जुलाई से उन्होंने भूख हड़ताल शुरू कर दी है।इस आंदोलन में उनके साथ धर्मेंद्र त्रिपाठी उर्फ जय गणेश (विश्व हिन्दू महासंघ), उमेश तिवारी (प्रभारी विश्व हिंदू महासंघ कानपुर मंडल), विकास त्रिपाठी, आचार्य गोविंद तिवारी, अधिवक्ता अवधेश सिंह, शंकर सिंह, सुबोध चोपड़ा, व्यापारी नेता आशीष सचान, बाबू गिरी, डब्बू बाबा, बलवंत सिंह, मंतर गिरी समेत कई संत और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता, तो यह आंदोलन उग्र रूप ले सकता है।

अरमापुर में हिन्दू-मुस्लिम एकता की पेश की मिसाल

» यादगार-ए-हुसैन कमेटी द्वारा मोहर्रम पर पारंपरिक ताजिया और जुलूस का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।हर साल की तरह इस वर्ष भी यादगार-ए-हुसैन कमेटी द्वारा मोहर्रम के मौके पर पारंपरिक ताजिया और जुलूस का भव्य आयोजन पूरी अकीदत के साथ किया गया। कार्यक्रम में न सिर्फ मुस्लिम समुदाय, बल्कि बड़ी संख्या में हिन्दू भाई भी शामिल हुए, जो गंगा-जमुनी तहज़ीब और कौमी एकता की बेमिसाल मिसाल पेश करता है।

जुलूस में ताजिया की शानदार सजावट देखने को मिली और लंगर, शरबत, पानी तथा चाय का बेहतरीन इंतजाम किया गया, जिससे हजारों की संख्या में शामिल अकीदतमंदों को राहत मिली। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने अमन और भाईचारे का पैगाम दिया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से अलाउद्दीन, वकील अहमद, राजीव सिंह, शानू, गोगा, टीपू, रफीक, सालू, वसीम, सद्दाम सहित कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिकों ने अहम भूमिका निभाई।कमेटी की ओर से कहा गया कि यह आयोजन सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सांझी संस्कृति और मानवता का प्रतीक है, जिसमें हर धर्म और वर्ग के लोग मिलकर शिरकत करते हैं।

हथेली पर 'गुलशन आई मिस यू' लिखकर छात्रा फांसी पर झूली

» छत पर मिली सिंदूर की डिब्बी, परिजनों ने युवक पर लगाया धमकी और मानसिक उत्पीड़न का आरोप

कमरे में मिली लटकी हुई लाश, हाथ पर लिखा अंतिम संदेश और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने कथित रूप से प्रेम संबंधों में मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। छात्रा की बाईं हथेली पर लिखा मिला गुलशन आई मिस यू जो अब इस पूरे मामले की सबसे मार्मिक और रहस्यमयी कड़ी बन गया है।

मृतका की फाईल फोटो

दर्द बयां करते पिता और भाई

मामला मिल्कबोर्ड चौकी क्षेत्र का है। मृतका एक किराना दुकानदार की 18 वर्षीय बेटी थी और इंटरमीडिएट की छात्रा थी साथ ही एसएससी की तैयारी कर रही थी। परिवार का आरोप है कि मोहल्ले का ही एक युवक पिछले कई महीनों से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

शनिवार रात करीब 9 बजे वह युवक अपने साथियों संग घर के पास आया और छत पर सिंदूर की डिब्बी फेंक दी। इसके बाद छात्रा को कॉल करके शादी के लिए दबाव बनाया और मना करने पर उसके पिता और भाई को जान से मारने की धमकी दी।

घटना से घबराई छात्रा चुपचाप अपने कमरे में चली गई। जब मां ने कुछ देर बाद उसे खाने के लिए बुलाया, तो दरवाजा नहीं खुला। जब दरवाज़ा तोड़ा गया तो बेटी फंदे से लटकी मिली।

फॉरेंसिक टीम की जांच और परिवार का आरोप

पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर फोर्स पहुंची। छात्रा को फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजन पहले पोस्टमार्टम से इनकार कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए शव को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम बुला ली। जांच के दौरान पुलिस को छात्रा की हथेली पर एक इमोजी के साथ लिखा मिला 'गुलशन आई मिस यू' युवक की पहचान गुलशन के रूप में सामने आई है, जो कथित तौर पर छात्रा को लगातार परेशान कर रहा था। परिजनों ने बताया कि पहले भी कई बार युवक के व्यवहार को लेकर चेताया गया था, लेकिन उसने पीछा नहीं छोड़ा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और युवक की तलाश जारी है। छात्रा की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या युवतियों की भावनात्मक सुरक्षा और मानसिक सम्मान अब भी समाज की प्राथमिकता नहीं बन पाई?

बंद फैक्ट्री के सोकपिट में मिली थी युवक की लाश, तीन दिन बाद हुई शिनाख्त

रनिया क्षेत्र की घटना, 19 वर्षीय आर्यन उर्फ सचिन के रूप में हुई पहचान, पुलिस जांच में जुटी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। तीन दिन पहले कानपुर देहात के थाना रनियां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिटिकपुर में उस समय हड़कंप मच गया था जब गांव की एक पुरानी, बंद पड़ी फैक्ट्री के भीतर बने शौचालय के सोकपिट से एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। स्थानीय लोगों ने गंध और शक के आधार पर पुलिस को सूचना दी थी।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com | कानपुर देहात | कानपुर, सोमवार | 03 जुलाई, 2025 | 07

बंद फैक्ट्री के सोकपिट में मिला युवक का शव, इलाके में सनसनी

» थाना रनियां क्षेत्र का मामला
» संदिग्ध हालात में मिली लाश
» एसपी ने मौके पर पहुंचकर की जांच, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना रनिया क्षेत्र के ग्राम चिटिकपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब गांव की पुरानी और बंद पड़ी फैक्ट्री के अंदर बने शौचालय के सोकपिट गड्ढे में एक युवक का लटकित अवस्था में शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात स्वयं फॉरेंसिक टीम व भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने स्थानीय ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी ली और पूरे मामले की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए।

घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, व अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। फिलहाल मृतक की पहचान व मौत के कारणों की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार हत्या, आत्महत्या या दुर्घटना – तीनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए छानबीन की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज व स्थानीय संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों में इस घटना के बाद दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस की मौजूदगी से लोग थोड़े आश्वस्त हैं, लेकिन शव की पहचान और मौत के कारण सामने आने तक शंका और चिंता का माहौल बना रहेगा।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात, फॉरेंसिक टीम, अपर पुलिस अधीक्षक, और सीओ अकबरपुर समेत भारी पुलिस बल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था। जांच टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए थे।

शुरुआत में युवक की पहचान नहीं हो पाई थी, लेकिन तीन दिन की छानबीन के बाद मृतक की शिनाख्त हो गई है। शव की पहचान आर्यन उर्फ सचिन संखवार (उम्र 19 वर्ष) पुत्र अरविंद संखवार, निवासी ग्राम परजनी थाना मंगलपुर, हाल निवासी आधू रोड थाना अकबरपुर, जनपद कानपुर देहात के रूप में हुई है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और अब तीन पहलुओं हत्या, आत्महत्या और दुर्घटना के आधार पर जांच की जा रही है।

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और स्थानीय संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद गांव में डर और आशंका का माहौल बना हुआ है। पुलिस की उपस्थिति ने लोगों को थोड़ी राहत दी है, लेकिन युवक की मौत की असली वजह सामने आने तक चिंता और चर्चा का माहौल कायम है।

खड़ी पिकअप में मारी टक्कर तेज रफ़्तार बाईक सवारों की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद-झींझक मार्ग पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो युवकों की जान ले ली। हादसा रात करीब 12:30 बजे सलेमपुर महेरा गांव के पास रिंद नदी पुल के नजदीक हुआ, जहां सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल जा भिड़ी।

» रात साढ़े बारह बजे रिंद नदी पुल के पास हादसा, तीनों दोस्त बाइक से लौट रहे थे

» मृतकों में अंकित और राजकुमार शामिल, तीसरे साथी विकास का सीएचसी में इलाज जारी

मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर रसूलाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रसूलाबाद ले जाया गया। इलाज के दौरान दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरे घायल का इलाज जारी है।

मृतकों की पहचान अंकित कुमार (28), निवासी गढ़ी महेरा थाना मंगलपुर और राजकुमार (27), निवासी द्वारिकागंज वार्ड-14, झींझक थाना मंगलपुर के रूप में हुई है।

विकास कुमार (25), गढ़ी महेरा निवासी इस हादसे में घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने दुर्घटना स्थल से खड़ी पिकअप को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना की सूचना परिजनों को दी गई, जिसके बाद गांव में मातम का माहौल है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रसूलाबाद में जुलूस-ए-हुसैनी के साथ मोहर्रम शांतिपूर्वक संपन्न

» ताजियेदारों का इमाम चौक पर हुआ जमावड़ा, लाठी-भाले के करतबों ने मोहा मन

» अलम-ताजिया के साथ श्रद्धा, लंगर और सुरक्षा का अद्भुत संगम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कस्बे सहित ग्रामीण अंचलों में रविवार को मोहर्रम का पर्व पूरी आस्था और भाईचारे के साथ मनाया गया।

कस्बे के ऐतिहासिक इमाम चौक पर पठान मोहाल, आजाद नगर, कुरैशी मोहाल और नेहरू नगर के अखाड़े ताजिया लेकर पहुंचे, जहां सलामी के बाद जुलूस-ए-हुसैनी का आगाज हुआ। ताजिया जुलूस लहरापुर रोड, मुख्य चौराहा, आजाद नगर होते हुए दरगाह ग्राउंड पहुंचा। यहां मैदान में युवाओं ने लाठी, तलवार और भाले से अद्भुत युद्धकला का प्रदर्शन कर लोगों को रोमांचित कर दिया।

जुलूस मार्ग पर जगह-जगह लंगर की व्यवस्था थी, जहां स्थानीय लोगों ने खान-पान का इंतजाम किया। बेला मार्ग स्थित कर्बला मैदान में दुरूद-फातिहा के बाद ताजिया सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समुदाय के प्रमुख लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा शामिल रहे। कहिंजरी, असालतगंज, कठिका, बिरहुन, औझान आदि गांवों में भी शांतिपूर्ण ढंग से ताजिया जुलूस निकाले गए। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीओ सौरभ वर्मा, इंस्पेक्टर हरमीत सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर वीरेंद्र यादव, तहसीलदार संतोष प्रताप सिंह समेत भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर भाजपाइयों ने किया विचारों को नमन

» जिला कोषाध्यक्ष बोले - अनुच्छेद 370 हटाकर मोदी ने पूरा किया सपना

» पुखरायां में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने जनसंघ संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शौरभ मिश्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सिद्धांतों के लिए समर्पित था। वह न केवल एक प्रखर शिक्षाविद और समाज सुधारक थे, बल्कि देश की राजनीतिक चेतना को दिशा देने वाले विचारक भी थे।

कार्यक्रम संयोजक एवं मंडल अध्यक्ष मुकुल पांडे ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की आवाज सबसे पहले उठाई थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। इस अवसर पर भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बताते हुए कहा गया कि यह डॉ. मुखर्जी की विचारधारा का ही परिणाम है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष पूनम दिवाकर, मंडल मंत्री आशीष मिश्रा, जिला मंत्री डिंपल सचान, वैष्णवी अवस्थी, नरेंद्र साहू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बारात की कार हादसे का शिकार, दूल्हे समेत 8 की दर्दनाक मौत

शादी की खुशियां बदल गईं मातम में, परिवार में हाहाकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में खुशियों से भरी बारात कुछ ही पलों में मातम में तब्दील हो गई। तेज रफ्तार में कार अनियंत्रित होकर स्कूल की दीवार से जा टकराई। इस भीषण सड़क हादसे में दूल्हे सूरज समेत 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

घटना शनिवार देर रात की है, जब संभल जिले से एक बारात निकली थी। कार में दूल्हा सूरज अपने करीबियों और रिश्तेदारों के साथ सवार था। सभी लोग उत्सव के उल्लास में मग्न थे, किसी को अंदेशा भी नहीं था कि यह खुशी का सफर उनकी ज़िंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार बेहद तेज थी और एक मोड़ पर चालक नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कार सीधे सड़क किनारे बने एक स्कूल की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और अंदर बैठे सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

दूल्हे के परिवार और रिश्तेदारों पर जैसे दुखों का पहाड़ टूट पड़ा हो। जिन घरों में कुछ घंटे पहले शहनाइयों की गूंज थी, अब वहां मातम पसरा हुआ है।

दो अलग-अलग परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। हर आंख नम है, और हर दिल यह सवाल कर रहा है — क्या थोड़ी सी जल्दबाज़ी इतनी बड़ी कीमत ले सकती है?

पुलिस के अनुसार, हादसे की प्रमुख वजह तेज रफ्तार मानी जा रही है।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कार चालक ने तय गति सीमा से अधिक तेज ड्राइविंग की, जिससे यह दुर्घटना घटी।

क्या कहती है ये त्रासदी?

यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, एक चेतावनी भी है — कि जीवन कीमती है, और एक पल की लापरवाही कभी-कभी पूरी उम्र का दुख बन जाती है।

हर साल हजारों लोग देश में सड़क दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं, जिनमें से कई हादसे सिर्फ लापरवाही और तेज रफ्तार का नतीजा होते हैं। यह घटना हमें फिर से सोचने पर मजबूर करती है कि क्या एक पल की जल्दबाज़ी, एक छोटी सी भूल, इतनी बड़ी कीमत वसूल सकती है?

डीएम राजेश कुमार पांडेय की मेहनत लाई रंग

डीएम राकेश कुमार पांडेय

राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना 'आकांक्षात्मक विकासखंड' के तहत वर्ष 2024-25 की राज्य स्तरीय रैंकिंग में जनपद के जालौन और रामपुरा विकासखंड ने प्रदेश के टॉप 5 स्थानों में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह उपलब्धि जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में संभव हो पाई है, जिनकी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और दूरदृष्टि की आज पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है।

बुंदेलखंड के उरई जालौन जनपद ने प्रदेश में रचा कीर्तिमान

गौरतलब है कि वर्ष 2012 बैच के आईएएस अफसर राजेश कुमार पांडेय ने जालौन में तैनाती के बाद से ही जिले को विकास के पथ पर अग्रसर करने का बीड़ा उठाया था। उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आधारभूत ढांचा और समग्र प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उनकी टीम— अपर जिलाधिकारी संजय कुमार (पीसीएस), मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), ब्लॉक प्रमुखों, और वीडीओ स्तर तक के कर्मियों ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिले के प्रशासन को ?20 करोड़ के प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।जालौन और रामपुरा विकासखंडों की यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव की बात है, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी एक प्रेरणा है कि ईमानदारी, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति से कैसे विकास के नए आयाम गढ़े जा सकते हैं। जालौन बदला है, जालौन आगे बढ़ा है— यह अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक जमीनी सच्चाई बन चुका है।

लेखपाल निलंबन के बाद शिकायतकर्ता को मिली धमकी

रिश्वतखोरी उजागर करने वाले सालिकराम को लेखपाल और प्रधान बना रहे टारगेट!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रिश्वतखोरी का खुलासा करने वाले पीड़ित सालिकराम यादव अब खुद प्रशासनिक तंत्र के दबाव में हैं। बीते बुधवार को अयोध्या में एक राजस्व लेखपाल का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद एसडीएम विकास धर दुबे ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी लेखपाल को निलंबित कर दिया था।लेकिन कहानी यहीं नहीं रुकी। अब उसी प्रकरण में पीड़ित सालिकराम का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वह प्रशासन से रोते हुए न्याय की गुहार लगा रहा है।

अब बड़ा सवाल ये है

क्या सालिकराम को मिलेगा न्याय?
या फिर रिश्वतखोरी का खुलासा करना ही बन जाएगा उसकी सबसे बड़ी गलती?

उसका आरोप है कि निलंबन के बाद संबंधित लेखपाल लगातार उसे धमका रहा है और मामले में समझौता करने का दबाव बना रहा है।

सालिकराम का दावा है कि गांव के कुछ प्रधान भी लेखपाल के समर्थन में उसके घर तक आकर धमकी दे चुके हैं।

एक मिनट के वीडियो में सालिकराम साफ कहता है कि उसकी जान को खतरा है और उसे न्याय चाहिए। पीड़ित ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उप जिलाधिकारी से सुरक्षा की मांग की है। बताया जा रहा है

कि सालिकराम ने सीधे एसडीएम के मोबाइल पर भी अपनी शिकायत भेजी है। एसडीएम ने मामले की जांच का भरोसा दिलाया है, वहीं स्थानीय पुलिस ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

FOLLOW UP

मृत्यु प्रमाण पत्र के नाम पर रिश्वत का सौदा!

» अयोध्या में लेखपाल की करतूत कैमरे में कैद
» वायरल वीडियो से मचा बीकापुर में हड़कंप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बीकापुर तहसील क्षेत्र के लेखपाल राजेश श्रीवास्तव का रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल हो गया है, जिसने तहसील प्रशासन की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वायरल वीडियो में राजेश श्रीवास्तव मृतक प्रमाण पत्र बनाने के नाम में पीड़ित से 10 हजार रुपए की

मांग करता नजर आ रहा है। यही नहीं, वह कैमरे पर ही यह स्वीकार कर रहा है कि इन पैसों में कुछ हिस्सा ऊपर के अधिकारियों को भी देना होता है।

कटारी गांव के निवासी सालिक राम यादव ने बताया कि उनके पिता रामतेज यादव का निधन 12 मई 2025 को हुआ था। पिता के बैंक खाते से जमा धनराशि निकालने के लिए मृतक प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ी, जिसके लिए वह बीकापुर तहसील में पिछले एक महीने से चक्कर काट रहे हैं। शुरुआत में लेखपाल ने प्रमाण पत्र बनाने से इनकार कर दिया, बाद में एसडीएम के हस्तक्षेप पर काम शुरू हुआ, लेकिन फिर भी ?10,000 की रिश्वत की मांग की गई।

सालिक राम ने बताया कि लेखपाल ने फोन कर उन्हें घर बुलाया और कहा, खाली हाथ मत आना, पैसे लेकर आना। जब पीड़ित के पास पूरे पैसे नहीं थे, तो उन्होंने ?2000 लेखपाल को दिए। यह पूरी घटना उनके साथी ने वीडियो में रिकॉर्ड कर ली, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में लेखपाल कहते सुना जा सकता है 20 अधिकारी का दस्खत होता है, उसमें पैसे लगते हैं। जांच के बाद दोषी मिलने पर होगी सख्त कार्यवाही–एसडीएम

बीकापुर एसडीएम विकास धर दुबे ने कहा है कि वायरल वीडियो को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दावत में अदावत: गोली चलने से युवक की हालत गंभीर

» जेल में पकी दुश्मनी, पार्टी में फूट पड़ी दुर्गंध
» शराब, तमंचा और पुराने रंजिश की खौफनाक पटकथा
» अयोध्या के दुबे का पुरवा में गोलीकांड, चेहरा–गर्दन में मारी दो गोली

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या।बाटी-चोखा की खुशबू के बीच शराब और शत्रुता की बदबू ने ऐसा तांडव मचाया कि एक युवक को जिंदगी और मौत के बीच झूलता छोड़ दिया। अयोध्या के महाराजगंज थानाक्षेत्र स्थित देवा सूर्यभानपुर के मजरे दुबे का पुरवा में शनिवार रात को एक अपराधी द्वारा अपने पुराने साथी को गोली मार दी गई। पीड़ित विवेक दुबे को चेहरे और गर्दन में दो गोलियां मारी गईं, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल होते हुए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

स्वराज इंडिया का सवाल

-क्या ये पार्टी थी या साजिश?
जेल की दोस्ती बनी खून की दुश्मनी?
और कितने बाटी-चोखा अब खूनी भोज बनेंगे?

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सूरज दुबे वही है, जो विवेक के साथ पहले जेल में बंद था। शनिवार की रात उसने अपने घर पर बाटी–चोखा की पार्टी रखी थी। विवेक का भाई राहुल वहां खाना खाने पहुंचा, जिस पर नाराज विवेक ने पहुंचकर विरोध जताया और कहा अपराधी के यहां खाने क्यों आए हो? यहीं से विवाद ने रफ्तार पकड़ी और सूरज ने बिना देर किए तमंचा तानकर गोली चला दी।थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने पुष्टि की है कि दोनों ओर से शराब पी गई थी। सूरज को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसका तमंचा भी बरामद हो चुका है। पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि जेल में हुई पुरानी रंजिश इस वारदात की असली जड़ तो नहीं?

टीम इंडिया ने रचा इतिहास बर्मिंघम में जीता पहला टेस्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

बर्मिंघम। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड को जिस बात का घमंड था भारत ने उसे आज वो भी चकनाचूर कर दिया। 25 साल के युवा कप्तान शुभमन गिल की सेना ने दिग्गजों से भरी इंग्लिश ब्रिगेड को एजबेस्टन, बर्मिंघम में घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय टीम ने दूसरी पारी के आधार पर क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े सुपरहीरो कहे जाने वाले बेन स्टोक्स की बाजबॉल टीम को 608 रनों का लक्ष्य दिया। इसके बाद सिर्फ 8वां टेस्ट खेल रहे आकाश दीप और मोहम्मद सिराज जैसे कम अनुभवी गेंदबाजों की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर कभी नहीं जीत पाने वाले इतिहास के पन्नों को फाड़ डाला। भारतीय टीम ने इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रनों पर ढेर कर दी, जबकि 336 रनों से यह मैच जीत लिया। यह भारत की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 279 रनों की जीत 1986 में आई थी, जिसमें भारत के कप्तान कपिल देव थे।

भारत के लिए शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा था, जबकि दूसरी पारी में शतक ठोका। पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने 6, जबकि आकाश दीप ने 4 विकेट झटके थे। अब आकाश दीप ने फाइव विकेट हॉल मारते हुए दूसरी पारी में अंग्रेजों की हालत खराब कर दी। भारत ने 1967 में इस मैदान पर इससे पहले पहला टेस्ट खेला था, जबकि उसे यहां 8 मैचों में 7 हार मिली थी। इस तरह से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अब भारत और इंग्लैंड 1-1 से बराबर हैं। यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि दुनिया के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेल रहे थे, जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर हाल ही में रिटायर हो चुके थे। मोहम्मद शमी चोट की वजह से टीम में नहीं हैं। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जेमी स्मिथ ने 88 रनों की पारी खेली, जबकि भारत के लिए सबसे अधिक विकेट आकाश दीप ने लिए। गिल के अलावा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा ने भी महत्वपूर्ण अर्धशतकीय योगदान दिए, जिससे टीम का स्कोर 500 के पार गया। राहुल ने 55 रन बनाए, जबकि पंत ने 58 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से तेजतर्रार 65 रन जोड़े। रविंद्र जडेजा ने भी 118 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 69 रनों की उपयोगी पारी खेली। भारत का यह बड़ा स्कोर मैच पर शुरुआती दबाव बनाने के लिए पर्याप्त था।

गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा

भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। मोहम्मद सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट चटकाए, जबकि युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 4 विकेट लेकर उन्हें शानदार साथ दिया। सिराज ने जैक क्रॉली और जो रूट जैसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों को आउट किया इस प्रदर्शन से भारत को 180 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली।

भारत की दूसरी पारी: आक्रामक घोषणा

180 रनों की बढ़त के साथ बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में भी आक्रामक खेल दिखाया और 6 विकेट के नुकसान पर 427 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इस पारी में भी शुभमन गिल ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 161 रन बनाए। गिल ने 13 चौके और 8 छक्के शामिल थे, जो उनके बेहतरीन फॉर्म को दर्शाता है।

भारत की पहली पारी: शुभमन गिल का दोहरा शतक और विशाल स्कोर

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस पारी की सबसे बड़ी खासियत युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का असाधारण प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 269 रनों की शानदार दोहरी शतकीय पारी खेली। गिल ने इंग्लैंड की सरजमीं पर एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक का प्रदर्शन किया, जिससे भारत एक मजबूत स्थिति में आ गया।

इंग्लैंड की पहली पारी: ब्रूक और स्मिथ का संघर्षपूर्ण शतक

भारत के 587 रनों के जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 89.3 ओवर में 407 रन बना ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड की पारी में हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने शतकीय पारियां खेलकर टीम को संकट से निकालने का प्रयास किया। ब्रूक ने 158 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने नाबाद 184 रनों की शानदार पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों के सामने डटकर मुकाबला किया और फॉलो-ऑन से बचाने में मदद की।

हत्याकांड

खुद सुनाई कत्ल की पूरी कहानी, मां-बेटी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार

मां और बेटी का अफेयर...दोनों ने प्रेमियों संग मिलकर करा दी सुभाष की हत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। यूपी के मेरठ में किसान सुभाष हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। मां और बेटी ने प्रेमियों के साथ मिलकर सुभाष की हत्या कराई थी। सुभाष प्रेम-प्रसंग का विरोध कर प्रताड़ित करता था। पुलिस ने आरोपी मां-बेटी समेत पांच को गिरफ्तार किया है।

मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। हत्याकांड का खुलासा करते हुए मां-बेटी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि सुभाष उपाध्याय की 23 जून की रात खेत से लौटते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

बेटे आयुष ने अज्ञात में हत्या का मामला दर्ज कराया था। वारदात के खुलासे के लिए जानी पुलिस, सर्विलांस टीम और स्वॉट टीम को लगाया गया था। अब हत्या में शामिल मृतक की पत्नी कविता, छोटी बेटी सोनम, कविता के प्रेमी गुलजार निवासी सिसौला, सोनम के प्रेमी विपिन निवासी जवाहरनगर कंकरखेड़ा और विपिन के दोस्त जवाहरनगर निवासी अजगर उर्फ शिवम को गिरफ्तार किया गया। अजगर के पास से हत्या में इस्तेमाल 315 बोर का तमंचा, बाइक भी मिली।

प्रेम-प्रसंग को लेकर होता था विवाद : जांच में सामने आया कि सुभाष की बड़ी बेटी डोली ने कुछ महीने पहले अपनी मर्जी से अनुसूचित जाति के युवक से प्रेम विवाह किया था। अब छोटी बेटी सोनम भी जवाहरनगर निवासी अनुसूचित जाति के प्रेमी विपिन से शादी करना चाहती थी। पत्नी कविता की नजदीकी सिसौला के गुलजार से थी। जिसका सुभाष विरोध करता था।